**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1319**

**14 मार्च, 2017 को उत्तर के लिए**

पायलट प्रशिक्षण नियमावली की समीक्षा

1319. श्री. अनुभव मोहंती:

**क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :**

(**क**) **क्या 13 जून, 2016 को जोधपुर में जो एमआईजी 27 दुर्घटनाग्रस्त हुआ था वह यांत्रिक खराबी या मानवीय भूल के कारण हुआ था;**

(**ख**) **विगत तीन वर्षों के दौरान कितने लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं;**

**(ग) क्या इनमें से प्रत्येक दुर्घटना की कोई जांच की गई है, यदि हां, तो इन सभी मामलों में आई रिपोर्ट से आमतौर पर क्या पता चला है; और**

(**घ) क्या मंत्रालय पायलटों के कीमती जीवन को बचाने के लिए दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु इसके प्रशिक्षण के तरीके की समीक्षा करने पर विचार कर रहा है ?**

**उत्तर**

**रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

(क) : जोधपुर में दिनांक 13.06.2016 को मिग-27 के दुर्घटना संबंधी जांच अदालत का कार्य अभी तक पूरा नहीं हुआ है ।

(ख) : पिछले नी वर्षों और वर्तमान वर्ष (08.03.2017 तक) के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुए भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के लड़ाकू विमानों के ब्यौरे निम्न प्रकार है:-

|  |  |
| --- | --- |
| वर्ष | दुर्गटनाग्रस्त लड़ाकू विमानों की संख्या |
| 2013-14 | 06 |
| 2014-15 | 07 |
| 2015-16 | 04 |
| 2016-17(08.03.2017 तक) | 05 |

(ग) : दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए भारतीय वायुसेना के विमानों की प्रत्येक दुर्घटना की जांच अदालत द्वारा गहन जांच की जाती है और सम्पूर्ण जांच के बाद जांच अदालत की सिफारिशों का कार्यान्वयन किया जाता है । इन दुर्घटनाओं के मुख्य कारण मानवीय चूक और तकनीकी खराबी थे

(घ) : भारतीय वायुसेना में पायलटों के प्रशिक्षण की नियमित रूप से मीक्षा की जाती है जिससे कि उन्हें अत्याधुनिक प्रशिक्षण सामग्रियों का उपयोग करते हुए नवीनतम अध्यापन तकनीक की नवीनतम जानकारियां मिलती रहे । यह एक सतत प्रक्रिया है ।

\*\*\*\*\*

\*\*\*\*